उपचुनाव में तीनों सीटें जीत सकती है कांग्रेस!

उत्तराखंड की तीन विधानसभा सीटों पर 21 जुलाई को हुए उपचुनाव का परिणाम 25 जुलाई शुक्रवार को आएगा। राजनीतिक विश्लेशकों के अनुसार तीनों सीटों पर सत्ताधारी कांग्रेस का पलड़ा भारी दिख रहा है। तीनों सीटों पर अपनी जीत तय मानकर मुख्यमंत्री हरीश रावत अपनी भावी रणनीति को अंजाम देने में जुट गए है।

देहरादून। मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों की माने तो सीएम ने चुनाव परिणाम के बाद सत्ता में भागीदार पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) कोटे के कुछ मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाने की तैयारी कर ली है।

बताते चले कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार पीडीएफ विधायको की बैशाखी पर चल रही है। पीडीएफ में बसपा के तीन,यूकेडी के एक और तीन निर्दलीय समेत कुल सात विधायक शामिल है। जिसमें से बसपा का एक,यूकेडी के एक समेत तीनो निर्दलीयो को कैबिनेट में शामिल किया गया है। सूत्रों की माने तो उपचुनाव का परिणाम

□पीडीएफ के कुछ मंत्रियों के भाग्य पर ग्रहण

कांग्रेस के पक्ष में आने के बाद बसपा कोटे के सुरेन्द्र राकेश, सतपाल महाराज के करीबी माने जाने वाले मंत्री प्रसाद नैथानी और इंदिरा हृदयेश के करीबी हरीशचंद दुर्गापाल का पत्ता कट सकता है। सुरेन्द्र राकेश से जहां सीएम नाराज बताए जा रहे है वहीं मंत्री प्रसाद नैथानी को सतपाल महाराज का करीबी होने का नुकसान उठाना पड़ सकता है। हरीशचंद दुर्गापाल को कही और समायोजित कर उनकी जगह पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा खेमे के सुबोध उनियाल को मंत्री बनाया जा सकता है। जबकि दो अन्य पदों पर सीएम अपने करीबी मंत्रियों को बिठाने के जुगाड़ में है।

खुलकर बल्लेबाजी की रणनीति

बताते चले कि उत्तराखंड की कुल 70 विधानसभा सीटों में से वर्तमान में कांग्रेस के पास 32,भाजपा 28,बसपा 03 और यूकेडी के पास 01 सीट है जबकि 03 पर निर्दलीयों का कब्जा है। जबकि तीन सीटों पर उपचुनाव हुआ है। अब यदि इस उपचुनाव में कांग्रेस को तीनो सीटों पर विजय मिलती है तो उनकी संख्या बढ़ कर हो जाएगी 35 यानी बहुमत की 36 की संख्या से मात्र एक कम। जबकि भाजपा यदि तीनो सीटे जीतती है तो उसकी संख्या बढ़ कर 31 हो जाएगी लेकिन यह बहुमत से बहुत दूर का आकड़ा है जो संकेत मिल रहे है अनुसार सीएम सदन में पार्टी की संख्या 35 पहुंचाने के बाद यूकेडी के मात्र विधायक को कांग्रेस में शामिल करा पूर्ण बहुमत की सरकार के बल्ले से खुल कर बल्लेबाजी की रणनीति अपनाएंगे। हालांकि यूकेडी के मंत्रियों को बाहर का रास्ता दिखाने के विषय में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष किशोर उपाध्याय और कैबिनेट मंत्री डा. हरक सिंह रावत दोनों का कहना है कि यूकेडी ने सरकार का संकट के समय में साथ दिया है इसलिए वे सरकार का अभिन्न हिस्सा है और आगे भी बने रहेंगे।

परिणाम घोषणा के 30 दिनों के भीतर दें व्यय का ब्यौरा : चन्द्रेश

देहरादून। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी चन्द्रेश कुमार ने कहा कि समस्त प्रत्याशी निर्वाचन अधिकारी द्वारा अपेक्षित निर्दिष्ट मदों तथा व्यय का ब्योरा परिणाम घोषित होने के 30 दिन के भीतर जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत के कार्यालय में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ब्योरा प्रस्तुत करते समय अच्छी जानकारी कर लें। प्रत्याशी को घोषणा पत्र प्रस्तुत करना होगा कि वह आयकर दाता है या नही यदि है तो अपना पैन नम्बर लिखा जाये। कोई किसी निर्वाचन अधिकार के निर्बाध प्रयोग में स्वेच्छया हस्तक्षेप करता है या ऐसा करने का प्रयत्न करता है, मतदाता को या किसी ऐसे व्यक्ति को जिससे अभ्यर्थी या मतदाता हितबद्ध है को किसी प्रकार की धमकी देता है अथवा मतदाता को विश्वास करने के लिए उत्प्ररित करता है या उत्प्रेरित करने का प्रयत्न करता है या रिश्वत का अपराध करेगा तो ऐसे व्यक्ति/प्रत्याशी पर भारतीय दण्ड संहिता की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

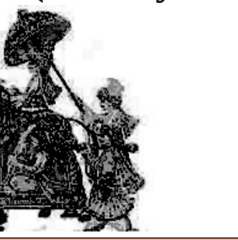

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

गुजारिश

उत्तराखंड में लगातार हो रहे अवैध खनन को रोकने हेतु केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावेड़कर से मुलाकात करते पूर्व सीएम निशंक।

उपचुनाव में दांव पर अध्यक्ष की कुर्सी

राजेन्द्र जोशी

उत्तराखण्ड में होने वाले उपचुनाव में दोनों दलों के अध्यक्षों की कुर्सी दांव पर लगी हुई है। कांग्रेस आलाकमान के करीबी किशोर उपाध्याय कुछ दिन पहले ही पार्टी के अध्यक्ष बनाए गये। ''सिर मुड़ाते ही ओले पड़े'' कहावत के अनुसार तुरंत उपचुनाव आ गए। ऐसे में किशोर उपाध्याय तथा भाजपा के अध्यक्ष तीरथ सिंह रावत की कुर्सी दांव पर लगी हुई है।

देहरादून। तीरथ सिंह रावत को भुवन चन्द खण्डूरी लाबी ने जोड़तोड़ कर अध्यक्ष बनवाया। उनके प्रतिद्वंदी रहे एवं पूर्व सीएम कोष्यारी के सहयोगी रहे त्रिवेन्द्र सिंह रावत को राश्ट्रीय सचिव बनाकर उनकी अहमन्यता को तुश्ट किया गया। यही त्रिवेन्द्र सिंह रावत डोईवाला से विधानसभा से उतरे। एक प्रतिद्वंदी को चुनाव जीताने में पार्टी अध्यक्ष तीरथ सिंह रावत ने क्या मेहनत की है इसका परिणाम 25 जुलाई को दोपहर बार आ जाएगा।

यही स्थिति अन्य दोनों सीटों पर भी है। जहां मोहन राम आर्य तथा बीडी जोशी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। मोहन राम आर्य को चुनौती दे रही है रेखा आर्य जो कांग्रेस से भाजपा और भाजपा से कांग्रेस में गई है। ऐसे में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष तीरथ सिंह रावत के लिए इन तीनों सीटों पर जीत दिलाना प्रतिष्ठा का प्रश्न बना हुआ है। लेकिन आंकड़े बताते है कि पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इन तीनों सीटों पर अपेक्षित पहल नही की है।

□पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने इन तीनों सीटों पर अपेक्षित पहल नही की है।

□सत्तारूढ़ दल के सामने विपक्ष के प्रत्याशी शुरू से ही कमजोर साबित हुए है।

पूर्व सीएम एवं सांसद भगत सिंह कोश्यारी ने भले ही इन क्षेत्रो का दौरा किया है तथा प्रत्याशियों को लिए वोट मांगा है। यही स्थिति डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक की भी है। तीरथ सिंह के आका और पूर्व मुख्यमंत्री खण्डूडी ने शायद ही इन क्षेत्रों का दौरा किया हो। केन्द्रीय मंत्री स्मृति इरानी के दौरे को छोड़ दिया जाए तो किसी बड़े केन्द्रीय नेता ने इन चुनावों में उत्तराखण्ड आने का जहमत नही उठाई। इसके कारण कुछ भी दिये जा सकते है पर यह बात का सबूत है कि उत्तराखण्ड के इन तीनों सीटों पर केन्द्रीय नेताओं की कोई रूचि नही थी। जिसके कारण प्रत्याशियों का मनोबल भी टूटा है।

यही कारण है कि सत्तारूढ़ दल के सामने विपक्ष के प्रत्याशी शुरू से ही कमजोर साबित हुए है। चुनावी परिणाम बताएंगे की कौन कमजोर है कौन सहजोर। लेकिन इस चुनाव ने भाजपा की आंतरिक संरचना एवं उठापठक हो उजागर किया है।

उपचुनाव में अच्छी अभिरूचि नहीं रही

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ–साथ प्रदेश स्तरीय नेताओं की भी इन उपचुनाव में अच्छी अभिरूचि नही रही है। इसका कारण क्षेत्रीय क्षत्रपों के मामलों पर वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौन चुप्पी थी। भाजपा के क्षेत्रीय नेताओं के कारण भी आरएसएस के लोगों ने अपने भाव व प्रभाव का इस्तेमाल नही किया। इसकी जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष के नाते तीरथ सिंह रावत की भी बनती थी कि वे समन्वय का काम कर असंतुष्ट लोगों को संतुष्ट करते तथा लोगों की अपेक्षाओं को पुरा करने का हरसंभव प्रयास करते पर ऐसा नही हुआ है। भाजपा की स्थिति उपचुनाव में अच्छी नही रही। राजनीतिक समीक्षक बताते है कि दोनों दलों विशेषकर कांग्रेस और भाजपा के अध्यक्षों की विशेष जिम्मेदारी बनती है। कांग्रेस लाभ में इसलिये आगे दिख रही है कि सत्तारूढ़ दल के साथ–साथ सत्ता से जुड़ी एक लंबी चेन है। वहीं भाजपा के पास समर्पित कार्यकर्ताओं का ऐसा संगठन है जो असंभव को संभव कर दिखाता है। इस चुनाव में इन कार्यकर्ताओं का रूझान प्रभावपूर्ण नही रहा। ऐसे में अध्यक्ष चाहे भाजपा का हो या कांग्रेस का अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही से नही बच सकते। दोनों दलों के अध्यक्षों की कुर्सी इस चुनाव में दांव पर लगी हुई है। परिणाम क्या होगा चुनाव का परिणाम बताएंगा।

केंद्र सरकार से निशंक की अपील

अवैध खनन रोकने को भेजे केन्द्रीय विशेष दल

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद हरिद्वार डा रमेश पोखरयिाल निशंक ने लोक सभा में नियम 377 के तहत उत्तराखंड उत्तराखण्ड के विभिन्न क्षेत्र एवं विशेषकर दून वैली के अन्तर्गत और आस पास, आसन कन्जर्वेशन रिजर्व एवं हरिद्वार, देहरादून, टिहरी जनपद के विभिन्न क्षेत्र गंगा, यमुना एवं अन्य क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध खनन का मुददा उठाते हुए कहा कि विना स्वीकृति के इससे जहां राज्यों को करोडों की राजस्व की क्षति हो रही है वहीं दर्जनों गांव उजडने की कगार पर पहुंच गये हैं और इसे रोका जाना जरूरी है।

निशंक ने कहा कि हरिद्वार में बिना स्वीकृति के किये जा रहे खनन से तबाही की संभावना प्रबल हो गयी है। अवैध खनन के कारण दर्जनों गांव पानी में डूबने की कगार पर हैं और पिछली बार भी गन्ना किसानों की सैकडों एकड जमीन बर्बाद हो गयी थी।

□राजस्व नुकसान के साथ हरिद्वार के गांवों पर मंडराया डूबने का खतरा

क्षेत्र में हाहाकार मचा हुआ है,लेकिन अवैध खनन पर अंकुश नही लग पा रहा है। सरकार की नाक के नीचे हो रहे खनन के कारण राजस्व हानि के अलावा गांवों पर बर्बादी का खतरा लगातार मंडराता जा रहा है। उन्होंने कहा कि विशेषकर दून वैली के अंतर्गत और आसपास आसन कंजर्वेशन रिजर्व एवं हरिद्वार,देहरादून,टिहरी जनपद के विभिन्न क्षेत्र गंगा,यमुना तथा अन्य क्षेत्रों में भी बडे पैमाने पर अवैध खनन किया जा रहा है। अवैध खनन से पर्यावरण एवं जलवायु पर प्रतिकूल प्रभाव पडता है व नदियों की धारा बदलकर गांवों को तबाह कर रही है। इसके अलावा मानवीय संपदा का विनाश हो रहा है और समय–समय पर भंयकर आपदा इसका प्रमाण है।

नारेबाजी के बीच धरना देते शिक्षक सोसाइटी के सदस्य।

शिक्षक सोसाइटी का धरना जारी

देहरादून। अपनी पांच सूत्रीय मांगो को लेकर उत्तराखण्ड पॉलीटेक्निक संविदा शिक्षक सोसाइटी का धरना– प्रदर्शन गुरूवार को भी जारी रहा। इस दौरान शिक्षकों ने अपनी उपाधियों की प्रतिंया जला सरकार के उपेक्षित व्यवहार के प्रति आक्रोश व्यक्त किया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सोसाइटी से जुड़े शिक्षक गुरूवार प्रातः रायपुर बस स्टैंड के समक्ष एकत्र हुए, जहां उन्होंने अपनी मांगो के समर्थन में नारेबाजी के बीच धरना शुरू कर दिया। इस अवसर पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि सन् 2006 में तत्कालीन मुख्यमंत्री को एक पत्र के माध्यम से संविदा शिक्षको तदर्थ करने की मांग की थी। उस वक्त ऐसा न होने पर तत्कालीन सरकार की आलोचना की गई थी, अब भी हरीश रावत मुख्यमंत्री पद पर होते हुये शिक्षको की मांगों को पूरा नही कर पा रहे है। उनका कहना था कि कांग्रेस सरकार संविदा कर्मियों के साथ धोखा कर रही है यादि सरकार काये अड़ियल रवैया जारी रहा तो सरकार को दूरगामी परिणाम भुगतने पड़ सकते है। इस अवसर पर सोसाईटी अध्यक्ष सर्वेश चौधरी के अलावा श्वेता, पूनम, दिव्या आदि मौजूद थे।

□सरकार कार्य अड़ियल रवैया जारी रहा तो सरकार को दूरगामी परिणाम पड़ सकते है भुगतने

सुपरफास्ट खबरें

चार कार्मिकों की पदोन्नति

देहरादून। सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग में चार कार्मिकों को प्रशासनिक अधिकारी पद पर पदोन्नति दी गई है। वृहस्पतिवार को महानिदेशक रविनाथ रमन ने इन कार्मिकों की पदोन्नति के आदेश जारी कर दिये हैं। प्रशासनिक अधिकारी पद पर पदोन्नत हुए कार्मिकों में प्रधान सहायक राजेश्वर दयाल शर्मा, जुगल किशोर, यमुना प्रसाद व्यास तथा जगदीश सिंह पटवाल हैं। राजेश्वर दयाल शर्मा, जुगल किशोर तथा यमुना प्रसाद व्यास की पदोन्नति आदेश जारी होने की तिथि से जबकि प्रधान सहायक जगदीश सिंह पटवाल की पदोन्नति प्रशासनिक अधिकारी धरम सिंह कुंवर के 31 अगस्त, 2014 को सेवानिवृत्त होने के फलस्वरूप रिक्त होने वाले पद पर 1 सितम्बर, 2014 अथवा उसके उपरान्त कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।

सीएम ने किया श्रीदेव सुमन का स्मरण

देहरादून। मुख्यमंत्री हरीश रावत ने टिहरी जन क्रांति के नायक अमर शहीद श्रीदेव सुमन का उनकी पुण्य तिथि पर भाव पूर्ण स्मरण करते हुए उनके दिखाए मार्ग पर चलने का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री श्री रावत ने कहा कि ''स्व. श्रीदेव सुमन ने जिस प्रकार निरंकुश शासन के विरूद्ध जनक्रांति का नेतृत्व किया वह हम सभी के लिए प्रेरणास्पद है। उन्होंने महात्मा गांधी के सत्य व अहिंसा के संदेश को लेकर जन जागृति की एक नई अलख जगाई थी।

कार्यक्रम 28 से

देहरादून। भारत सरकार के निर्देशानुसार आगामी 28 जुलाई से 8 अगस्त 2014 तक राज्य में 'सघन डायरिया नियंत्रण कार्यक्रम का आयोजन'' किया जाएगा। यह जानकारी संयुक्त निदेशक (आई0ई0सी0) डॉ सरोज नैथानी ने यहां जारी एक बयान में दी।

26 जुलाई को मनेगा शौर्य दिवस

देहरादून। शनिवार 26 जुलाई को कारिगल दिवस ''शौर्य दिवस'' के रूप में मनाया जायेगा। शौर्य दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री हरीश रावत गांधी पार्क स्थित शहीद स्मारक स्थल पर शहीद सैनिकों के स्मारक पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

उधर कारगिल दिवस 'शौर्य दिवस' मनाये जाने को लेकर पूर्व सैनिक कांग्रेस की एक बैठक प्रदेश अध्यक्ष कै. बलवीर सिंह रावत की अध्यक्षता में हुई, जिसमें गांधी पार्क व कौलागढ़ स्थित ओएनजीसी कम्युनिटी हॉल में आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि समारोह को लेकर चर्चा की गयी।

सहायक की मांग को देना होगा शपथपत्र

देहरादून। राज्य निर्वाचन आयोग उत्तराखण्ड के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी चन्द्रेश कुमार ने अवगत कराया है कि प्रमुख/ज्येष्ठ उप प्रमुख/कनिष्ठ उप प्रमुख जिला पंचायत के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन में निरक्षता या अन्धता या अशक्तता के कारण निर्वाचक को सहायक/ साथी उपलब्ध कराया जाना है। डीएम ने बताया कि निरक्षता के मामले में यदि कोई निर्वाचक सहायक अथवा साथी की मांग करता है तो उसे अनुसूची–1 में नोटरी का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। यदि निर्वाचक सदस्य क्षेत्र पंचायत के निर्वाचन में नाम निर्देशन पत्रों आदि में हस्ताक्षर किया होगा तो उसे निरक्षर नही मानते हुए सहायक साथी उपलब्ध नही कराया जायेगा। अन्धता या अन्य अशक्तता के कारण सहायक/ साथी की मांग करने वाले निर्वाचक को मुख्य चिकित्साध [redacted] पत्र प्रस्तुत करना [redacted] या अशक्ता से [redacted] ना मतदान करने [redacted] ुख्य चिकित्साधि [redacted] स्तरीय मेडिकल [redacted] ी से ही उक्त [redacted] पत्र जारी करेगें।

स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

देहरादून। डोईवाला विधान सभा उपनिर्वाचन 2014 की मतगणना को सम्पादित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी देहरादून चन्द्रेश कुमार द्वारा आज डोईवाला औधोगिक प्रशिक्षण संस्थान में बनाये गये स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया।

उन्होने मतगणना हाल में की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी व्यवस्थायें समय पर आज ही पूरी कर ली जाय ताकि मतगणना के समय किसी प्रकार से कोई दिक्कत न होने पाये। उन्होने सुरक्षा कार्य में तैनात जवानों को निर्देश दिये कि कोई भी व्यक्ति बिना किसी प्राधिकार पत्र के मतगणना स्थल के अन्दर प्रवेश नही कर सकेगा। उलेखनीय है कि कल होने वाली उप चुनाव की मतगणना के लिए 14 टेबिल लगाई गई है इसके अलावा एक टेविल आर. ओ. टेबल होगी जिसके लिए बैरिकेटिग आदि की सभी व्यवस्था ठीक कर ली गई है। मतगणना कार्मिको तथा मतगणना एजेन्टों के प्रवेश हेतु अलग–अलग गेट से प्रवेश की व्यवस्था की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने एन.आई.सी. के अधिकारियों को निर्देश दिये कि आयोग को मतगणना से सम्बन्धित जानकारी उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में जो भी प्रपत्र भेजे जाने है उन्हे समय–समय पर प्रेषित करना सुनिश्चित करेगें। जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय रौतेला द्वारा भी आज डोईवाला उप चुनाव की मतगणना के सम्बन्ध में पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के साथ आवश्यक बैठक लेते सुरक्षा के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। उन्होने निर्देश दिये कि मतगणना हाल में मोईबाइल फोन को प्रतिबन्धित किया गया है। इस लिए कोई भी व्यक्ति मोबाईल फोन मतगणना हाल में नही ले जायेगा। दौरान जिलाधिकारी के साथ उप जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिका, प्रशिक्षु आई.ए.एस. सुश्री वन्दना,, आर.ओ. डोईवाला पी.सी. दुम्का, ए.आर.ओ. डोईवाला डा. रोजेश नेगी, तहसीलदार गुरूदीप सिंह काला सहित सम्बन्धित अधिकारी मौजूद थे ।

□सुरक्षा कार्य में तैनात जवानों को दिए निर्देश

□मतगणना में मोईबाइल फोन को किया प्रतिबन्धित

मतगणना हाल में की जाने वाली तैयारियों का जायजा लेते जिला निर्वाचन अधिकारी।